भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 74
दिनांक 26.07.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

गिरफ्तार किए गए भारतीय मछुआरे

***74. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः**
श्री ए. राजाः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2024 के दौरान श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 182 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और 25 नौकाओं को जब्त किया गया है और समुद्री लुटेरों द्वारा उन पर हमला किया गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है.

(ख) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र–वार कुल कितने भारतीय मछुआरे मारे गए, गिरफ्तार किए गए/रिहा किए गए,

(ग) क्या तमिलनाडु सरकार और अन्य सरकारों द्वारा कई अभ्यावेदन दिए जाने के बावजूद भारतीय मछुआरों की रिहाई के मुद्दे का समाधान नहीं हो पाया है;

(घ) क्या विदेश मंत्री ने 20.06.2024 को श्रीलंका की अपनी पिछली यात्रा के दौरान इस मुद्दे को अपने समकक्ष और मत्स्यपालन सम्बन्धी संयुक्त कार्य समूह के साथ उठाया था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वहां कितने मछुआरे अभी भी निरुद्ध हैं/अदालती कार्यवाही का सामना कर रहे हैं; और

(ङ) क्या ऐसे मछुआरों को किसी मुआवजे के भुगतान पर विचार किया गया है जिनकी नौकाएं जब्त कर ली गई थीं/क्षतिग्रस्त हो गई थीं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस मुद्दे का समाधान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) से (ङ) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

'गिरफ्तार किए गए भारतीय मछुआरों' के संबंध में दिनांक 26.07.2024 को उत्तर के लिए लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या *74 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (ङ) भारतीय मछुआरों को समय–समय पर श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस वर्ष 22 जुलाई, 2024 तक श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा 260 भारतीय मछुआरों और 37 भारतीय नौकाओं को हिरासत में लिया गया है। हालाँकि, 2024 में भारतीय जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों पर समुद्री लुटेरों के हमले की कोई जानकारी नहीं मिली है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में मछुआरों का ब्यौरा इस प्रकार है:

श्रीलंका:

वर्ष	गिरफ्तार किए गए भारतीय मछुआरों की संख्या	रिहा किए गए भारतीय मछुआरों की संख्या	मारे गए/मर चुके भारतीय मछुआरों की संख्या
2024	269(तमिलनाडु –251, पुडुचेरी–14, ओडिशा–2, आंध्र प्रदेश–2)	195 (2024 में 183 और 2023 में 12) (तमिलनाडु–160, पुडुचेरी – 33, ओडिशा–02)	0
2023	240(तमिलनाडु –220, पुडुचेरी – 20)	243 (2022 में 16 और 2023 में 227) (तमिलनाडु–236, पुडुचेरी – 7)	0
2022	268(तमिलनाडु –229, पुडुचेरी – 39)	320(2021 में 68 और 2022 में 252) (तमिलनाडु –285, पुडुचेरी – 35)	0
2021	159(तमिलनाडु –143, पुडुचेरी – 16)	131 (2020 में 40 और 2021 में 91) (तमिलनाडु –117, पुडुचेरी – 14)	तमिलनाडु के तीन मछुआरों की नाव पलटने से मौत हो गई।

बांग्लादेश:

वर्ष	गिरफ्तार किए गए मछुआरों की संख्या	रिहा किये गये मछुआरों की संख्या	मारे गए/मर चुके भारतीय मछुआरों की संख्या
2021	54 (पश्चिम बंगाल)	54	शून्य
2022	184 (पश्चिम बंगाल)	184	शून्य

2023	04 (पश्चिम बंगाल)	04	शून्य
2024 (आज तक)	0	0	शून्य

पाकिस्तान:

वर्ष	गिरफ्तार किए गए मछुआरों की संख्या	रिहा किये गये मछुआरों की संख्या	मारे गए/मर चुके भारतीय मछुआरों की संख्या
2021	223 (गुजरात–199; बिहार–2; यूपी–5; दमन एवं दीव–10; महाराष्ट्र–6; केरल–1.)	20 (गुजरात)	शून्य
2022	132 (गुजरात – 85; दमन और दीव – 20; उत्तर प्रदेश – 14; महाराष्ट्र – 12 और पश्चिम बंगाल–1)	40 (गुजरात)	शून्य
2023	9 (गुजरात)	478 (गुजरात – 436; आंध्र प्रदेश – 3; दमन और दीव – 19; महाराष्ट्र – 11; यू.प्र. – 6 और बिहार – 3)	शून्य
2024 (आज तक)	19 (तमिलनाडु – 7; पश्चिम बंगाल – 6; ओडिशा – 1; मार्च 2024 में गिरफ्तार किए गए शेष पांच (5) मछुआरों को कांसुलर पहुंच प्रदान किए जाने की प्रतीक्षा है।)	शून्य	शून्य

भारत सरकार भारतीय मछुआरों की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। सरकार मछुआरों के मुद्दे को उच्चतम स्तर पर उठाती रही है, जिसमें प्रधानमंत्री की श्रीलंकाई समकक्षों के साथ बैठक और हाल ही में विदेश मंत्री द्वारा 20 जून 2024 को श्रीलंका की यात्रा के दौरान उठाया गया मामला भी शामिल है। श्रीलंका सरकार से मछुआरों के मुद्दे को मानवीय और आजीविका की चिंता के रूप में देखने का आग्रह किया गया है और इस बात पर जोर दिया गया है कि दोनों पक्षों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी परिस्थिति में बल का प्रयोग न किया जाए।

मत्स्य पालन संबंधी संयुक्त कार्य समूह की पिछली बैठक 2022 में हुई थी। यह संयुक्त कार्य समूह मछुआरों और उनकी नौकाओं से संबंधित चिंताओं सहित सभी प्रासंगिक मत्स्य पालन के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करता है। जून 2024 में विदेश मंत्री की यात्रा के बाद दोनों सरकारों की आपसी सुविधा से शीघ्रातिशीघ्र संयुक्त कार्य समूह की बैठक आयोजित करने के प्रयास जारी हैं।

*****